पाठ-9 राष्ट्रगीत

प्रस्तावना , आदर्श पठन,विश्लेषण,शब्दार्थ

CLASS: V

SUBJECT : HINDI

CHAPTER NUMBER:10

TOPIC: पाठ-9 राष्ट्रगीत

SUB TOPIC: प्रस्तावना , आदर्श पठन , विश्लेषण, शब्दार्थ

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow
राष्ट्रगीत

चिंतन-मनन

भारत देश अपनी प्राकृतिक विशेषताओं और संस्कृति के कारण श्रेष्ठ है। यहाँ अनेकता में भी एकता है। बच्चों में देश प्रेम की भावना कूट-कूट कर भरी होनी चाहिए।

सारे जग को पथ दिखलाने
वाला जो ध्रुव तारा है,
भारत-भू ने जन्म दिया है,
यह सौभाग्य हमारा है।

धूप खुली है, खुली हवा है,
सौ रोगों की एक दवा है।
चंदन की खुशबू से भीगा
भीगा आँचल सारा है।

जन्म भूमि से बढ़कर सुंदर,
कौन देश है इस धरती पर ?
इसमें जीना भी प्यारा है,
इसमें मरना भी प्यारा है।

चाहे आँधी शोर मचाए,
चाहे बिजली आँख दिखाए,
हम न झुकेंगे, हम न रुकेंगे,
यही हमारा नारा है।

पर्वत-पर्वत पाँव बढ़ाता,
सागर की लहरों पर गाता,
आसमान में राह बनाता,
चलता मन बनजारा है।

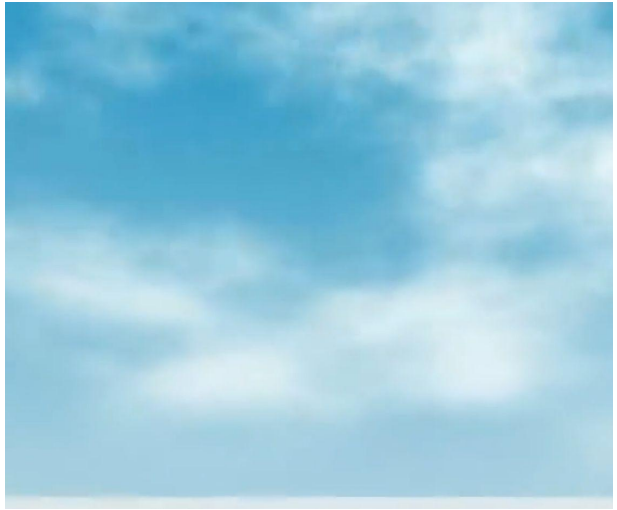

चाँद और मंगल का सपना,
सच होने जाता है अपना.
अमर तिरंगा ध्वज उछालकर
नवयुग ने ललकारा है।

भारत-भू ने जन्म दिया है,
यह सौभाग्य हमारा है।

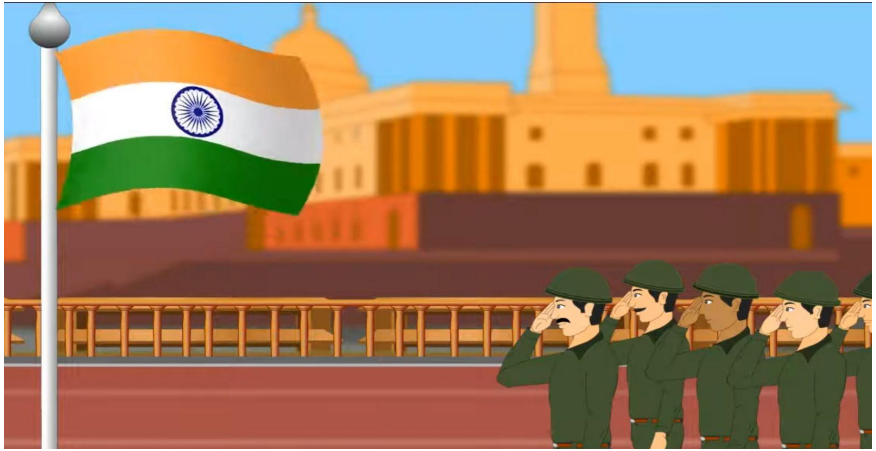

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

शब्द	अर्थ
पथ	रास्ता
ध्रुव तारा	वह तारा जो सदा उत्तर दिशा के ऊपर रहता है
सौभाग्य	अच्छा भाग्य
ध्वज	झंडा
नवयुग	नया युग
ललकारा	चुनौती देना
भू	धरती

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

गृहकार्य

क्रियाकलाप - भारत के राष्ट्रीय ध्वज का चित्र कॉपी में बनाकर इसके अलग- अलग रंगों तथा अशोक चक्र के महत्व के बारे में लिखिए

शिक्षण प्रतिफल

छात्रों में पठन अभ्यास विकसित होगी तथा उच्चारण में शुद्धता आएगी एवं पाठ के मूल भाव के बारे में जानकारी प्राप्त होगी ।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP